Forms of Journalism

पत्रकारिता के स्वरूप

Presented by

Dr. Archana Bharti

Guest Faculty, MJMC

Sem-1, Paper- 101

Unit 4 (Journalism)

Date- 15/07/2021

पत्रकारिता के स्वरूप

- पत्रकारिता के प्रारंभिक दौर में गुलामी के खिलाफ संघर्ष, सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष और साहित्य सृजन का प्रमुख स्थान था। पहले व्यावसायिकता के बजाए इस क्षेत्र में जोखिम था।
- परन्तु अब पत्रकारिता में व्यावसायिकता का प्रवेश देखने को मिलता है।
- आज पत्रकारिता केवल समाचारपत्रों और पत्रिकाओं तक सीमित नहीं है, इसका व्यापक पैमाने पर विस्तार हुआ है।

पत्रकारिता के स्वरूप

- आज प्रिंट मीडिया के अलावा दृश्य–श्रव्य माध्यम, इंटरनेट और यहां तक कि मोबाइल सेवा में भी पत्रकारिता का हस्तक्षेप देखने को मिलता है।
- आज पत्रकारिता के विस्तार की सम्भावनाएं भी बढ़ी है। पहले पत्रकारिता जहां मिशन भावना से शुरू होकर, सामाजिक, राजनीतिक आदि समाचारों का संकलन तक सीमित थी वहीं अब इसमें व्यावसायिकता, विज्ञान और तकनीकी के बढ़ते चरणों ने इसमें अनेक सम्भावनाओं का विस्तार हुआ है।

पत्रकारिता के स्वरूप

- पत्रकारिता के साथ वाणिज्य–व्यापार और व्यवसाय से जुड़े तमाम ऐसे विषय भी हैं जैसे कि खेल, संस्कृति, भाषा, कला, सिनेमा, फोटोग्राफी, कार्टून, साहित्य सामान्य राजनीति, विश्वव्यापी हलचलें, पर्यावरण, पर्यटन आदि।
- पत्रकारिता के क्षेत्र में आए इस विस्तार ने व्यक्तित्व के विकास की सम्भावनाओं में भी नए आयाम जुड़ गए हैं और अपनी क्षमता और अभिरूचि के अनुसार इसमें अनेक अवसर बढ़ा है।

पत्रकारिता के स्वरूप

- प्रिंट मीडिया हो या अन्य माध्यम, इसमें समाचार सहित तमाम अन्य विषयों के साथ विज्ञापनों का भी महत्व प्रमुख हो गया है।
- पहले संवाद और विज्ञापन दो विपरीत कार्य समझा जाता था वहीं अब दोनों का संयुक्त मिश्रण दिखाई देता है। आज विज्ञापन कला को पत्रकारिता से अलग नहीं की जा सकती।
- विज्ञापन के क्षेत्र में देखें तो इसमें आम लोगों को आकर्षित करने की तकनीक विकसित हो गई है।

पत्रकारिता के स्वरूप

- पत्रकारिता में लेखन के साथ–साथ फोटो पत्रकारिता का भी अपना अलग स्थान बनता जा रहा है। जो फोटो पत्रकार हैं वे प्रेस रिपोर्टर के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। ये कहानी के अनुसार फोटो लेते हैं। इसके लिए घटना को कैमरे में तेजी से कैद करने की कला होनी चाहिए। बड़े मीडिया संस्थानों में फोटोग्राफी के लिए अलग से संपादक नियुक्त होते हैं, जिनका काम फोटो सम्पादन की एक टीम तैयार कर लगातार देखरेख करना होता है।

पत्रकारिता के स्वरूप

- पूर्व में जहां समाचार संकलन और समाचार प्रेषण का काम कठिन हुआ करता था वहीं अब नए आधुनिक तकनीक आ गए हैं जिससे पत्रकारिता का काम आसान हो गया है। और इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा के भी द्वार खुल गए हैं।
- इसी तरह सिनेमा जगत भी पत्रकारिता से अछूता नहीं है। इसने भी अपना दबदबा पत्रकारिता में बना डाला है। वर्तमान में कोई भी पत्र सिनेमा जगत के समाचारों और उसके ग्लैमर से अलग नहीं है।

पत्रकारिता के स्वरूप

- ग्लैमर को सामने लाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका देखी जाती है। इसमें पत्रकारिता के लिए जरूरी है कि पत्रकार उन बारीकियों के बारे में जानकारी रखें जो इस क्षेत्र में जरूरी है।
- इसके साथ–साथ कला और संस्कृति, रेखा चित्रों, कार्टूनों का भी पत्रकारिता में विशेष महत्व है। कृषि और इससे सम्बंधित व्यवसाय, तकनीक और अन्य जानकारियों पर रूचि रखनेवालों के लिए इसमें अनेक अवसर है।
- इस प्रकार पत्रकारिता समाज की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण है। और आज इसके स्वरूप में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं।